Class Notes बी ए भूगोल पार्ट-1, पेपर-II, इकाई-V

बांग्लादेश का भौगोलिक विवरण
(Geographical Account of Bangladesh)

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

बांग्लादेश भारत का पड़ोसी देश है जो इसके पूर्व में स्थित है । 1947 तक यह पूर्वी बंगाल के नाम से जाना जाता था परंतु 1947 के बाद में पूर्वी पाकिस्तान के रूप में जाना जाने लगा । 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश की स्थापना हुई । अब यह एक स्वाधीन और संप्रभु राष्ट्र है।

स्थिति एवं विस्तार

राजधानी -	ढाका
बांग्लादेश की सीमा -	4772 किमी
जनसंख्या 2011 -	149,772,364
(संभावित)2018 -	161,376,708
जनसंख्या घनत्व -	1106 व्यक्ति/वर्ग किमी
क्षेत्रफल -	147570 वर्ग किलोमीटर
अक्षांशीय विस्तार -	20 °15 'N - 26 °50 ' N
देशांतरीय विस्तार -	88 °E - 92 °E

बांग्लादेश की चौहद्दी:

उत्तर पूरब – असम,
उत्तर पश्चिम - पश्चिम बंगाल,
दक्षिण पूर्व – त्रिपुरा,
दक्षिण - बंगाल की खाड़ी

https://geology.com/world/bangladesh-satellite-image.shtml

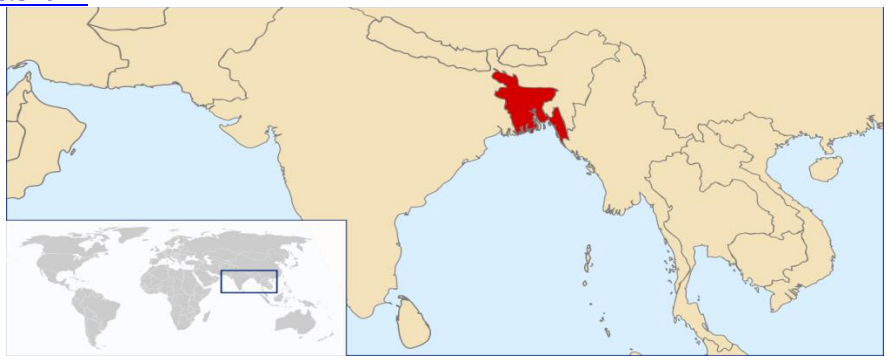

चित्र स्रोत: https://en.wikipedia.org/wiki/List_of_East_Pakistan_first-class_cricketers

धरातल

बांग्लादेश मुख्य रूप से मैदानी देश है । यह गंगा तथा ब्रह्मपुत्र नदियों के डेल्टा में ही बसा हुआ है । डेल्टाई भाग बहुत ही निम्न ऊंचाई वाला है । समुद्र तल से कहीं भी यह 25 मीटर से ज्यादा ऊंचा नहीं है । यहां प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ से जलोढ़ मिट्टी द्वारा उर्वर मैदान की रचना हुई है । यहां के मैदानी भाग को पांच भागों में बांट सकते हैं:

1. डेल्टाई मैदानी क्षेत्र
2. जमुना-पदमा-मेंघना मैदानी क्षेत्र
3. मेमनसिंह-सिलहट मैदानी क्षेत्र
4. टिघरा-नोआखाली-चटगांव मैदानी क्षेत्र
5. उत्तरी बांग्ला मैदानी क्षेत्र

उच्च भूमि: पर्वतीय क्षेत्र बांग्लादेश के पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है । यहां कम ऊंचाई वाली पहाड़ियां चटगांव तथा सिलहट में स्थित है । इन पहाड़ियों के ऊंचाइयां 200 से 300 मीटर हैं और इनमें कई दर्रे पाए जाते हैं ।

अपवाह

बांग्लादेश में नदियों का जाल बिछा हुआ है । अधिकांश नदियां उत्तर-पूरब और उत्तर-पश्चिम से बहकर आती है और बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है । इन नदियों के द्वारा बांग्लादेश के आर्थिक विकास में सहायता मिली है । यह सिंचाई, कृषि तथा परिवहन में सहायक हैं ।

बांग्लादेश की प्रमुख नदियां:

गंगा,

पदमा,

मेघना, सूरमा, ब्रह्मपुत्र आदि

इन नदियों में हर साल बाढ आती है ।

स्रोत:https://www.worldometers.info/maps/bangladesh-map/

जलवायु

बांग्लादेश की जलवायु मानसूनी है । यहां शीत ऋतु में तापमान 18 ° सेल्सियस तथा ग्रीष्म ऋतु में 38 ° सेल्सियस पाया जाता है । हिमालय पर्वत के कारण यहां तापमान सर्दियों में बहुत कम नहीं हो पाता है । बांग्लादेश में वर्षा अधिक मात्रा में होती है । यहां की औसत वार्षिक वर्षा 175 सेंटीमीटर है । अधिकांश वर्षा ग्रीष्म ऋतु में मई से अक्टूबर तक होता है । मानसून तथा चक्रवात दोनों ही बांग्लादेश में वर्षा कराते हैं । बांग्लादेश के दक्षिणी भाग में काल बैसाखी तूफान अकसर नुकसान पहुंचाते हैं । बांग्लादेश में वर्षा का वितरण असमान है ।

औसत वार्षिक वर्षा

पूर्वी भाग - 500 सेंटीमीटर

मध्य भाग - 250 सेंटीमीटर
पश्चिमी भाग - 100 सेंटीमीटर

प्राकृतिक वनस्पति

चूँकि बांग्लादेश एक मैदानी देश है इसलिए यहां सिर्फ 11.1% भाग पर ही वन है और यह वन उत्तर-पूर्व में स्थित चटगांव तथा सिलहट के पहाड़ियों पर ही है । वर्षा की अधिकता के कारण यहां सदाबहार वन पाए जाते हैं । बांस वृक्ष प्रमुख है । डेल्टाई प्रदेश में सुंदरी वृक्ष प्रधान सुंदरवन पाए जाते हैं । मैदानी भागों में घास के मैदान मिलते हैं ।

पशुपालन

बांग्लादेश का अधिकांश भाग मैदानी होने के कारण यहां चारागाह की कमी नहीं है । इसलिए यहां पर्याप्त मात्रा में पशुधन पाए जाते हैं । प्रमुख पशु हैं: गाय, भैंस तथा बकरियां । सुंदरवन में शेर तथा बंगाल टाइगर पाए जाते हैं । पूर्वी भाग के वनों में हाथी पाए जाते हैं । समुद्र तटीय इलाकों में मत्स्य उत्पादन प्रमुख है । खुलना के निकट और बरीसाल में मगरमच्छ तथा पूर्वी चटगांव में चीते पाए जाते हैं ।

सिंचाई

बांग्लादेश में पर्याप्त वर्षा (200 सेंटीमीटर) होने के कारण सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ती है । फिर भी गंगा नदी पर नहर बनाकर सिंचाई की जाती है । कुल कृषि योग्य भूमि का 33% भाग सिंचित है तथा शेष वर्षा पर निर्भर है ।

कृषि

बांग्लादेश के मैदानी भाग में उर्वर भूमि की कोई कमी नहीं है । इसलिए यहां की 70% आबादी कृषि में संलग्न है । यहां खाद्य फसल तथा व्यापारिक फसलों का उत्पादन किया जाता है । प्रमुख फसल है:
चावल, जूट, चाय, गन्ना, मूंगफली तथा फल आदि

चावल: यह बांग्लादेश का प्रमुख फसल और प्रमुख भोजन है । मछली चावल यहां लोगों को प्रिय है । कुल कृषि योग्य भूमि के 80% भाग पर चावल उगाया जाता है । दक्षिणी बांग्लादेश में चावल का उत्पादन अन्य भागों से अधिक है ।
आलू: यह यहाँ की प्रमुख सब्जी है । बांग्लादेश के पूर्वी उच्च भूमियों में रंध्र युक्त मिट्टी पाई जाती है जिसमें आलू प्रमुख रूप से उत्पन्न होती है ।
जूट: यह बांग्लादेश की प्रमुख फसल है । भारत के बाद बांग्लादेशी सबसे अधिक जूट का उत्पादन करता है । कुल कृषि योग्य भूमि के 10% भाग पर जुट की कृषि होती है । प्रमुख क्षेत्र: मेमनसिंह, ढाका, नारायणगंज, देवरा, पिपरा, फरीदपुर आदि । कुल जूट उत्पादन का 80% भाग निर्यात कर दिया जाता है । चित्र: https://en.wikipedia.org/wiki/Agriculture_in_Bangladesh

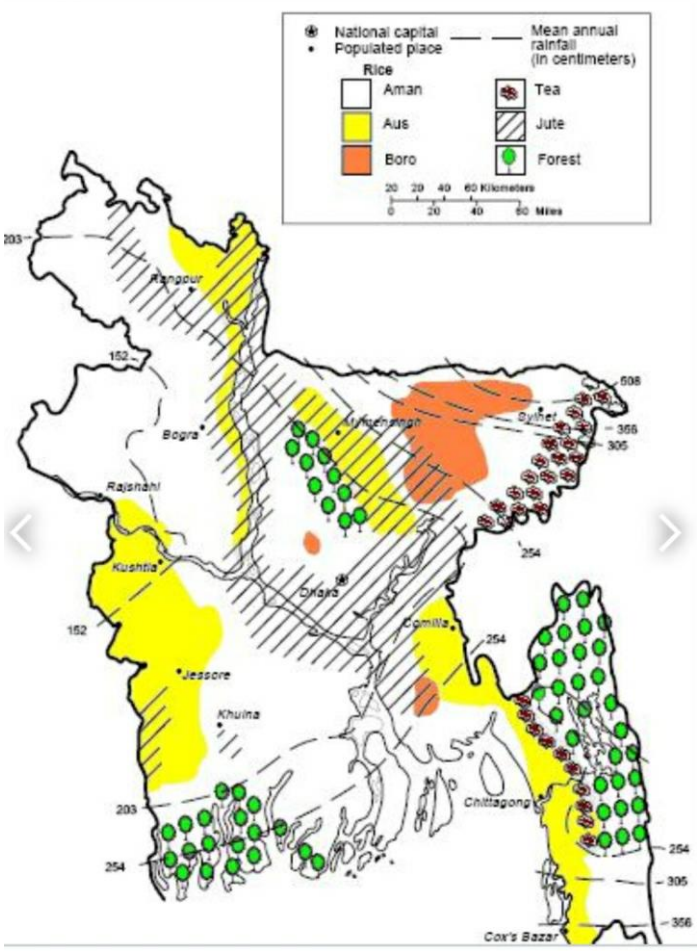

चाय: निर्यात फसल के रूप में दूसरे स्थान पर आती है। यह मुख्य रूप से मौलवी बाजार जिले की पहाड़ियों और हबीगंज, सिलहट, चटगांव और कॉक्स बाजार जिलों के छोटे क्षेत्रों में उगाया जाता है। पूरे बांग्लादेश में 166 चाय बागान है जिसमें अकेले सिलहट में 110 बागान है । कुल उत्पादन का अधिकांश भाग निर्यात कर दिया जाता है ।

गन्ना: बांग्लादेश के गंगा, पदमा तथा मेघना के मैदानी भागों में गन्ना का उत्पादन किया जाता है । यहां गन्ना से चीनी बनाया जाता है । बांग्लादेश के दक्षिण पश्चिमी भाग में गेहूं का उत्पादन होता है ।

फल: बांग्लादेश विश्व का 15% केले का उत्पादन करता है । यहां के फलों में केला, आम, संतरा तथा अंगूर प्रमुख हैं ।

फसल	कुल कृषि क्षेत्र का भाग		उत्पादन
चावल	73.94%	25	मिलियन टन
गेहूँ	4.45%	1200	टन
जूट	3.91%	1.5	मिलियन टन (5310,500 bales)
तिलहन	3.08%	716	हजार टन
आलू	1.13%	1.09	करोड़ टन
गन्ने	1.12%	5.5	मिलियन टन
चाय	0.38%	96.07	मिलियन किलो

क्रमशः.....

- सन्दर्भ: एशिया का भूगोल-एस बी पी डी प्रकाशन(चतुर्भुज ममोरिया), इन्टरनेट

****